प्रेस-विज्ञप्ति 05 फ़रवरी, 2022

"यूनियन बजट 2022-23" पर एक विशेष संवादात्मक सत्र

मर्चेंट्स चेम्बर की 90वीं वर्ष के प्रवेश के अवसर पर दिनांक **05** फ़रवरी**, 2022** को प्रातः **11:00** बजे से "**यूनियन बजट 2022-23**" पर एक विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया था। आयोजित किये जाने वाले सत्र में मुख्य-अतिथि व वक्ता सीए सुरेश प्रभु, मेंबर ऑफ पार्लियामेंट, पूर्व मंत्री- सिविल एविएशन, रेलवे, कॉमर्स एवं इंडस्ट्री तथा विशिष्ट-अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) विनय कुमार पाठक, वाईस चांसलर, सी.एस.जे.एम.यू. विश्वविद्यालय, कानपुर थे।

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत दीप-प्रज्जवलन और माँ सरस्वती वंदना के साथ की गयी। माँ सरस्वती वंदना का गायन 5 वर्ष की छोटी सी बच्ची देविशा भरतीया ने किया।
दीप-प्रज्जवलन सीए सुरेश प्रभु, डॉ. विनय कुमार पाठक, श्री महेंद्र मोहन गुप्ता, श्री अतुल कनोडिया- अध्यक्ष - मर्चेंट्स चेम्बर, श्री अभिषेक सिंघानिया- उपाध्यक्ष -मर्चेंट्स चेम्बर, तथा सीए सुधींद्र जैन द्वारा किया गया।

सत्र की शुरुआत मर्चेंट्स चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष **महेंद्र मोहन गुप्ता** ने अपने स्वागत-भाषण से की और सत्र के मुख्य वक्त एवं अतिथि माननीय सुरेश प्रभु जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने चेम्बर को अपना बहुमूल्य समय देकर हम सबको कृतार्थ कर दिया है।

मर्चेंट्स चेम्बर के अध्यक्ष श्री **अतुल कनोडिया** ने माननीय सुरेश प्रभु का सहृदय अभिनन्दन किया और चेम्बर की स्थापना सन 1932 से लेकर वर्तमान परिवेश मे चेम्बर की निरन्तर प्रगति शीलता का संक्षेप में वर्णन किया साथ ही उन्होंने बताया कि आज का यह प्रोग्राम हाल ही में माननीया वित्त मंत्री, भारत सरकार निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत यूनियन बजट 2022-23 के सम्बन्ध में आयोजित किया गया है।

श्री अभिषेक सिंघानिया, उपाध्यक्ष, मर्चेंट्स चेम्बर, ने मंचासीन गणमान्यों, उपस्थित समस्त सदस्यों एवं मिडियाकर्मियों का स्वागत करते हुए कहा बजट 2022-23 से सम्बंधित प्रावधानों पर चर्चा करने के लिए हमारे मध्य मुख्य-अतिथि, वक्ता एवं सीए सुरेश प्रभु, चेम्बर से जुड़े हमारे कर विशेषज्ञ आदि बैठे है। श्री सिंघानिया ने बजट 2022-23 में प्रस्तुत उद्योग जगत से जुड़े पहलुओं को संक्षेप में बताया। श्री सिंघानिया ने यूनियन बजट 2022-23 से आम निवेशक की निवेश के बारे में राय को संक्षेप में बताया। जैसे लोगों को मकान किराए पर लेने के बजाय होम लोन लेने और घर खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना, रियल एस्टेट उद्योग को बढ़ावा देना, बजट में सोलर मैन्युफैक्चरिंग के लिए अतिरिक्त 19500 करोड़ PLI का प्रावधान किया गया है, आदि।

उक्त कार्यकम में मर्चेंट्स चेम्बर से जुड़े 10 नए सदस्यों का परिचय करवाया गया और चेम्बर की लापेल पिन का वितरण मुख्य-अतिथि सीए सुरेश प्रभु जी द्वारा किया गया।

चेम्बर के सदस्य **निखिल टंडन** ने विशिष्ट-अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) विनय कुमार पाठक, वाईस चांसलर, सी.एस.जे.एम.यू. विश्वविद्यालय, कानपुर का परिचय करवाया।

प्रोफेसर (डॉ.) विनय कुमार पाठक ने बताया कि यूनियन बजट 2022-23 पूरी तरह से डिजिटल बजट है या हम उक्त बजट को आधुनिक भारत के भविष्य का सॉफ्टवेयर का, औद्योगिक क्रांति का, सोलर का और पूरी तरह से भारत और भारत में बने उत्पाद को बढ़ावा देने का बजट कह सकते है. यह बजट सिर्फ वर्तमान में परिवेश में प्रस्तुत न करके निकट 20-25 वर्षों के भविष्य के लिए प्रस्तुत किया गया है. प्रस्तुत किये गए यूनियन बजट 2022 में औद्योगिकिकरण के साथ-साथ प्रोऔद्योगिकिकरण को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है. श्री पाठक ने कहा कि समाज के आधारभूत मुद्दों जैसे रोजगार, महंगाई, स्वस्थ आदि पर विचार-विमर्श होते रहना चाहिए।

सीए अनिल कुमार सक्सेना ने मुख्य-अतिथि व वक्ता सीए सुरेश प्रभु का परिचय करवाया।

मुख्य-अतिथि व वक्ता **सीए सुरेश प्रभु** मेंबर ऑफ पार्लियामेंट, पूर्व मंत्री- सिविल एविएशन, रेलवे, कॉमर्स एवं इंडस्ट्री, ने अपने वक्तव्य की शुरुआत मंचासीन गणमान्यों, उपस्थित समस्त सदस्यों का स्वागत-भाषण से किया। श्री प्रभु ने कहा कि:

- कानपुर की विशेषता कानपुर को निरन्तर प्रवाह देने वाली माँ गंगा और कानपुर में पली-बढ़ी उद्यमिता से है और जिस जगह पर उद्यमिता पनपती है, वहां पर रोजगार स्वतः पनपने लगता है। इसलिए कानपुर का या यूँ कहें कि उद्यमिता वाली जगह का भूतकाल तो शानदार था ही लेकिन भविष्य उससे भी अधिक शानदार है।
- यह बजट मैक्रोइकोनॉमिक्स शब्द में कहें तो "*कॉमन मैन से लेकर पूरे देश के जुड़ाव की बात करता है।*"
- बजट एक वित्तीय डॉक्यूमेंट है जो किसी देश के वित्तीय वर्ष में हुए खर्चे, आमदनी और साथ ही भविष्य में होने वाली आमदनी और खर्चे (फिस्कल और मोनेटरी डेफिसिट) के बारे में बताता है। बजट, उस देश की आर्थिक समृद्धि को एक निर्देश देता है। किसी देश का बजट उस देश को बहुत शीघ्रता से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।
- विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश चीन तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसने पिछले दशकों से चीन का कायापलट कर दिया है। हम सभी जानते है कि चीन विश्व की सबसे उभरी हुयी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसकी अर्थव्यवस्था 15 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक है जिसकी तुलना में अभी हमारे देश की जीडीपी लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर के आसपास है. चीन की पर कैपिटा इनकम भी हमारे देश की लगभग 5 गुने से अधिक है। यह सब तथ्यों को देखत हुए हमें भविष्य की निति के साथ-साथ वर्तमान की मेहनत पर जोर देना है और प्रस्तुत किया गया इंफ्रास्ट्रक्टरल बजट निकट भविष्य का द्योतक है।
- प्रारम्भिक दौर में चाइना की अद्योगिकीकरण की नीती, जिसने चाइना को सबसे उभरी अर्थव्यवस्था और एक कथित संपन्न शक्ति में खड़ा कर दिया, और अब जबकि वह जियोपोलिटिकल एक्सपेंशन में लगा हुआ है, इसमें फर्क है। जिससे न सिर्फ कई देश परेशान है बल्कि चाइना में चल रही कम्पनीज भी वहां से निकलने का प्रयास कर रही है। इसलिए हम यह कह सकते है कि इस बात को भुनाने का एक अवसर

हमारे देश को प्राप्त हुआ है और हम उन कम्पनीज को अपने देश में अधिक से अधिक एफ.डी.आई. निवेश करने और प्लांट लगाने का वातावरण दे जो रोजगारपरक होगा।

- भारत एक ऐसा देश है जिसने इंडस्ट्री जीरो से प्रारम्भ करके इंडस्ट्री 4.0 और इंडस्ट्री 5.0 तक का सफर तय कर रहा है। डिजिटल क्रांति, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, इंटेरनेट ऑफ थिंग्स और मशीन लर्निंग्स जैसे कपोनेंट्स को अपना रहा है। प्रस्तुत किया गया बजट निकट भविष्य की इन्हीं विकासशील योजनाओं पर आधारित था।
- हमारी भारत सरकार मेक इन इण्डिया की बात करती है इसका अर्थ मुख्यत: निर्माण क्षेत्र पर केंद्रित है लेकिन इसका उद्देश्य देश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना भी है। हमारे देश में विदेशी निवेश निति के तहत अधिक से अधिक निवेश करना, बहरी कम्पनीज की औद्योगिकी को न सिर्फ अपने यहाँ लाना बल्कि उन कम्पनीज की औद्योगिकी के साथ-साथ नयी औद्योगिकी पर लगतार शोध होते रहना चाहिए। प्रस्तुत बजट में इस बिंदु के तहत दूरदर्शिता दिखाई गयी है।
- किसी देश की सफलता वहां की उद्यमिता में है इस बात को भारत सरकार ने समझा और स्टार्ट-अप्स के लिए प्रस्तुत किये गए बजट-2022 में विशेष प्रावधान है जैसे स्टार्टअप्स के लिए टैक्स इंसेंटिव तीन साल से बढ़ाकर चार साल किया गया।
- प्रस्तुत बजट 2022 में विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ Act) अधिनियम को एक नए कानून से बदल दिया जाएगा जो राज्यों को उद्यम और सेवा केंद्रों के विकास में भागीदार बनने में सक्षम करेगा।यह सभी मौजूदा और नए औद्योगिक परिक्षेत्रों को कवर करेगा ताकि उपलब्ध बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग किया जा सके और निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके।
- प्रस्तुत किया गया बजट सर्वप्रथम तो डिजिटाईजेशन की बात करता है जैसा कि माननीय वित्त मंत्री महोदया ने प्रस्तुत किया है। जैसे 1.5 लाख डाकघर कोर बैंकिंग सिस्टम के अंतर्गत आएंगे। जिसमें नेट, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम के माध्यम से वित्तीय समावेशन (फाइनेंसियल इन्क्लूसन) और खातों तक पहुंच को सक्षम करेगा साथ ही डाकघर खातों और बैंक खातों के बीच धन का ऑनलाइन हस्तांतरण भी प्रदान करेगा।
- **बजट 2022 "कनेक्टिविटी और डिजिटाईजेशन" का मिश्रण** है जिसमें लॉजिस्टिक्स पर अधिकाधिक जोर देने जिसके अन्तर्गत सप्लाई चेन तत्पश्चात वैल्यू चेन को बढ़ावा देना है जैसे डाक और रेलवे नेटवर्क का एकीकरण, इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स और बहु-मोडल कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार का अभियान निश्चित रूप से भारत में उद्योग की प्रगति की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।
- भारत एक उच्च विकास वाली उभरती हुयी अर्थव्यवस्था है जो औद्योगिक और तकनीकी क्रांति के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है जिसका वर्तमान के साथ भविष्य भी उजाले की गोद में चमकता दिख रहा है. हमारे पास सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है, इसके लिए हमें इच्छा-शक्ति और वर्तमान से ही क्रियान्वन की आवश्यकता है

सत्र का संचालन **सीए सुधींद्र जैन** ने किया तथा धन्यवाद-प्रस्ताव मर्चेंट्स चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री मुकुल टंडन ने ज्ञापित किया। सत्र के अंत में एक प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें माननीय सुरेश प्रभु एवं अन्य मंचासीन गणमान्यों ने शंकाओं का समुचित समाधान किया।

कार्यक्रम में मर्चेंट्स चेम्बर के पूर्व अध्यक्षों में डॉ. आई.एम. रोहतगी, श्री मुकुल टंडन, कौंसिल समिति के सदस्य - श्री अनिल अग्रवाल, श्री आकाश गोयनका, श्री अनिल शरण गर्ग, डॉ. अवध दुबे, डॉ. जे. एन. गुप्ता, श्री श्याम मेहरोत्रा, श्री सुनील खन्ना, श्री टीकम चंद्र सेठिया, श्री विजय कुमार पांडेय, तथा श्रीमती साक्षी भरतीया, डॉ. आरती गुप्ता, श्रीमती मानसी लोहिया, विभिन्न क्षेत्रों (चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, शेयर मार्केट, अधिवक्तागण, शिक्षाविद आदि) से जुड़े विशेषज्ञ, उद्यमीगण तथा मर्चेंट्स चेम्बर द्वारा गठित वीमेन एंटरप्रेन्योर कमिटी की महिला सदस्यगण आदि उपस्थित थे।

धन्यवाद